अंधविश्वास छोड़ो, ज्ञान से नाता जोड़ो

समाज में तरह–तरह के अंधविश्वास प्रचलित है। अन्धविश्वास हमारे दिमाग को जकड़ कर रखते हैं और हमारे विकास को रोकते हैं। अंधविश्वास आदमी को वहमी और मानसिक रूप से कमजोर बनाते हैं। कहीं ये अंधविश्वास धर्म का लबादा ओढ़ कर आते हैं तो कहीं बुजुर्गों की कही हुई बातों के रूप में। किसी भी विचार, सिद्धांत, व्यवहार, विश्वास व बात को बिना जांचे–परखें मानना या बिना जाने–समझे आंखें मूंदकर विश्वास करना ही अंधविश्वास है। कुछ अंधविश्वास इस प्रकार हैः–

1. बिल्ली द्वारा रास्ता काटना, छींके आना और शीशा टूटने को अशुभ मानना अंधविश्वास है।
2. नींबू, मिर्च व नज़र बट्टू बांधना अंधविश्वास है।
3. कोई नया काम करने या नई वस्तु खरीदने पर नारियल तोड़ना अंधविश्वास है।
4. व्रत रखने से चमत्कारों की आशा करना अंधविश्वास है।
5. पीपल के पेड़ के चारों ओर धागा बांधना अंधविश्वास है।
6. गले में, पैरों में और हाथों में किसी भी प्रकार का धागा और ताबीज पहनना अंधविश्वास है।
7. किसी में भूत आना व देवी–देवता (ओपरी) आना अंधविश्वास है।
8. घर और दुकान के बाहर घोड़े की नाल टांगने, अंगूठी पहनने से लाभ होता है, ऐसा मानना अंधविश्वास है।
9. सप्ताह के किसी भी वार (दिन) को अशुभ मानना अंधविश्वास है।
10. शादी विवाह और गृह प्रवेश के लिए मुहूर्त (दिन व समय) निकलवाना अंधविश्वास है।
11. जन्म–कुंडली, राशिफल, ज्योतिष व नक्षत्र में विश्वास करना अंधविश्वास है।
12. किसी तालाब, सरोवर, दरिया, नदी आदि में स्नान करने से पाप धुल जाते हैं, ऐसा मानना अंधविश्वास है।
13. आपकी जो वर्तमान स्थिति है (अमीर, गरीब, जाति, धर्म) वह पिछले जन्म के कर्मों का फल है, ऐसा मानना अंधविश्वास है।
14. जाति किसी भगवान ने बनाई है, ऐसा मानना अंधविश्वास है।
15. पिंडदान करना अंधविश्वास है।
16. शुद्धिकरण करवाना, झाड़–फूंक करना, जादू–टोना, मनके गिनना आदि करने से आपके जीवन में कोई लाभ होगा, ऐसा मानना अंधविश्वास है।
17. किसी भी प्रकार की बलि देना अंधविश्वास है।
18. धार्मिक मान्यताओं को श्रद्धा और विश्वास के नाम पर मान लेना और तर्क ना करना सबसे बड़ा अंधविश्वास है।
19. बिना पढ़े और जांचे किसी भी पुस्तक को पवित्र व सत्य मानना अंधविश्वास है।
20. धर्म व रीतिरिवाजों को इंसान से बढ़कर मानना अंधविश्वास है।
21. मूर्ति पूजा अंधविश्वास है।
22. किसी को जन्म के आधार पर अपवित्र–पवित्र, छोटा–बड़ा, नीचा–ऊँचा मानना अंधविश्वास है।

यह सब जनता को लूटने के लिए पाखंडी लोगों द्वारा रचे गए ढोंग हैं। इनके चक्कर में पड़कर लोग आर्थिक, सामाजिक और मानसिक शोषण का शिकार होते हैं। ये समाज और व्यक्ति दोनों के लिए खतरनाक हैं। हम सभी को तर्क व वैज्ञानिक नजरिये से सोचना सीखना चाहिए ताकि अन्धविश्वास से बाहर निकल सकें और ज्ञान से नाता जोड़ सकें।

SAGAR
(Social Action Groups for Ambedkarite Reform)

महिलाओं का सम्मान करें, मानवता का व्यवहार करें

स्त्रियों के साथ होने वाले भेदभाव की जड़े हमारे समाज में इतने गहरी समाई हुई हैं कि बरसों से हमारी जुबान पर बैठी कहावतों व बोलचाल में भी पक्षपात झलकता है। कहीं कहावतों के माध्यम से उनके साथ गैरबराबरी की गई है, उन्हें कमजोर बताया गया है तो कहीं उन्हें बदनाम किया गया है, उनका मजाक बनाया गया है और उनकी छवि खराब की गई है। उनके साथ भेदभाव और उनका शोषण किया जाता है। इन बातों को बार–बार दोहराकर सही साबित करने की कोशिश की जाती है। यहाँ हम ऐसी ही कुछ बातों के विषय में बता रहें हैं:–

1. महिलाओं की अक्ल घुटनों में होती है ऐसा कहना गलत है।
2. 'ढोर, गंवार, शुद्र, पशु, नारी, ये सब ताड़न के अधिकारी' ऐसा मानना आधारहीन है और महिलाओं का अपमान है।
3. पर्दा प्रथा (घूंघट) महिलाओं के विकास में रूकावट है।
4. निर्णयों में महिलाओं को शामिल ना करना गलत है।
5. लड़की–लड़के में भेद करना अपराध है।
6. महिलाओं पर हिंसा करना अपराध है।
7. कन्या भ्रूण हत्या अपराध है।
8. लड़की को पराया धन कहना गलत है।
9. लड़की के जन्म पर खुशी ना मनाना उसके प्रति भेदभाव करना है।
10. लड़की की शिक्षा व्यवस्था अच्छे से ना करना गलत है।
11. शादियों में दहेज देना और लेना अपराध है।
12. महिलाओं की क्षमता पुरुषों से कम है ऐसा मानना आधारहीन व गलत है।
13. महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखना गलत है और उनके साथ अन्याय है।
14. नाबालिग लड़की की शादी करना अपराध है।
15. मासिक धर्म के दौरान महिलाएं अपवित्र हो जाती है ऐसा मानना आधारहीन व अपमानजनक है।
16. महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव करना अपराध है।

अतः इन दूषित बातों को रोका जाए। ऐसी कहावतों के प्रयोग पर रोक लगाईं जाए और महिलाओं को सही तरीके से परिभाषित करें। उनका अपमान ना करके सम्मान करें।

SAGAR
Social Action Groups for Ambedkarite Reform
H.No. 3807, Sector-15, Sonipat, Haryana
Website: www.sagarcc.com, www.aiavf.com
सम्पूर्ण अम्बेडकरवाद केवल बुद्ध धम्म के साथ
COMPLETE AMBEDKARISM ONLY WITH BUDDHISM